डेब्यू टेस्ट इनिंग में सबसे बड़ी पारी

भारत की तरफ से कप्तान के तौर पर अपनी डेब्यू टेस्ट इनिंग में सबसे बड़ी पारी खेलने का रिकार्ड विजय हजारे के नाम पर दर्ज है जिन्होंने साल 1951–52 में इंग्लैंड के खिलाफ नाबाद 164 रन की पारी खेली थी। वहीं इस मामले में सुनील गावस्कर दूसरे स्थान पर हैं जिन्होंने 1975–76 में न्यूजीलैंड के खिलाफ 116 रन की पारी खेली थी। विराट कोहली ने बतौर कप्तान अपनी डेब्यू टेस्ट पारी में साल 2014–15 में आस्ट्रेलिया के खिलाफ 115 रन की पारी खेली थी और वो इस मामले में तीसरे नंबर पर हैं।

बतौर कप्तान डेब्यू टेस्ट में अर्धशतक लगाकर बनाया खास रिकार्ड

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ चोटिल विराट कोहली की जगह केएल राहुल को भारतीय टीम का कप्तान बनाया गया। केएल राहुल ने टास जीतकर इस मैच में पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और खुद कप्तानी पारी भी खेली। उन्होंने दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 133 गेंदों का सामना करते हुए 9 चौकों की मदद से 50 रन की पारी खेली। केएल राहुल की ये पारी उनके लिए बेहद खास रही और एक शानदार रिकार्ड भी उन्होंने अपने नाम कर लिया। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में 50 रन बनाने के बाद केएल राहुल बतौर कप्तान साउथ अफ्रीका के विरुद्ध अपने डेब्यू टेस्ट इनिंग में अर्धशतक लगाने वाले भारत के पहले बल्लेबाज बने। केएल राहुल से पहले ऐसा कमाल अन्य किसी भारतीय बल्लेबाज ने बतौर कप्तान नहीं किया था। इसके अलावा भारतीय टेस्ट कप्तान के तौर पर अपनी डेब्यू टेस्ट इनिंग में सबसे बड़ी खेलने के मामले में केएल राहुल 8वें नंबर पर आ गए हैं।

कोहली का प्रदर्शन भी पुजारा व रहाणे की तरह है खराब

क्रिकेट

उन्हें टीम से बाहर करने को कोई नहीं कहता- पूर्व भारतीय क्रिकेटर ने उठाए सवाल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में जिस तरह का प्रदर्शन किया उसके बाद दोनों पर दवाब बढ़ गया है। क्रिकेट पंडितों के साथ–साथ क्रिकेट फैंस भी लगातार मांग कर रहे हैं कि उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर किया जाए। वैसे पुजारा और रहाणे के खराब प्रदर्शन के बाद भी भारतीय टीम के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा उनका समर्थन करते हुए नजर आ रहे हैं और उनका मानना है कि विराट कोहली का प्रदर्शन भी कुछ ऐसा ही है।

इसमें कोई शक नहीं है कि रहाणे व पुजारा मध्यक्रम में लगातार निराश कर रहे हैं, लेकिन अगर पिछले कुछ साल के आंकड़े देखे जाएं तो विराट कोहली का प्रदर्शन भी इन दोनों से बहुत ज्यादा बेहतर नहीं रहा है। आशीष नेहरा ने क्रिकबज से बात करते हुए कहा कि आप कोहली के प्रदर्शन को भी देखें तो वो कोई बहुत बेहतर नहीं है, लेकिन लोग भारतीय टीम में उनकी जगह पर तो कोई सवाल नहीं उठा रहे हैं।

जाहिर है वो कप्तान हैं साथ ही कोहली ने जो किया है वो पुजारा और रहाणे के मुकाबले अलग स्तर पर है। हालांकि कोहली की तुलना पुजारा और रहाणे के साथ करना उचित नहीं है, लेकिन जब ये दोनों बल्लेबाज भी अपने चरम पर थे तब किसी से पीछे नहीं रहे।

आपको बता दें कि साल 2020 की शुरुआत से अब तक विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट में औसत 26.08 का रहा है और उन्होंने इस दौरान कोई शतक भी नहीं लगाया है जबकि पुजारा और राहणे का औसत भी इस दौरान 25 के आसपास रहा है। 2019 के अंत में कोहली का टेस्ट में औसत 54.01 का था जबकि 2021 के अंत में अब उनका औसत 50.34 का है। इससे जाहिर होता है कि उनके भी खेल में गिरावट आई है। साउथ अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच की दोनों पारियों में उन्होंने भी 35 और 18 रन ही बनाए थे।

गावस्कर को लगता है कि जोहानसबर्ग टेस्ट मैच की दूसरी पारी रहाणे और पुजारा की टेस्ट की आखिरी पारी साबित हो सकती है, लेकिन नेहरा का कहना है कि अगर आपने रहाणे का समर्थन पहले टेस्ट मैच से ही किया है तो बेहतर तो यही होगा कि बाकी के मैचों में भी उन्हें मौका दें। मैं मानता हूं कि पुजारा और रहाणे बड़ी परेशानी में हैं, लेकिन इस अहम सीरीज के लिए मध्यक्रम में बदलाव एक बड़ा फैसला होगा। हालांकि पुजारा और रहाणे पर फैसला लेना टीम मैनेजमेंट का काम है, लेकिन उनकी जिस तरह की बल्लेबाजी है उससे तो यही लगता है कि उनका भविष्य ज्यादा अच्छा नहीं है।

आइपीएल की इस नई टीम के हेड कोच बनेंगे आशीष नेहरा, गैरी कर्स्टन होंगे मेंटर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। आइपीएल 2022 में दो नई टीमें खेलती हुई नजर आएंगी जिसमें से एक लखनऊ है तो दूसरी अहमदाबाद की टीम है। अहमदाबाद ने अपनी टीम को बिल्ड करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और टीम इंडिया के पूर्व तेज गेंदबाज आशीष नेहरा इस नई फ्रेंचाइजी के हेड कोच आइपीएल 2022 के लिए होंगे। इसके अलावा विक्रम सोलंकी इस टीम के डायरेक्टर आफ क्रिकेट बनने की लाइन में हैं। इनके अलावा भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व वर्ल्ड कप विनर कोच गैरी कर्स्टन टीम के मेंटर होंगे। आशीष नेहरा इससे पहले आरसीबी के कोच रह चुके हैं। अहमदाबाद फ्रेंचाइजी इन नामों

की घोषणा अभी आधिकारिक तौर पर नहीं कर सकती क्योंकि लेटर आफ इंटेट मिलने के बाद ही ऐसा किया जा सकता है। आइपीएल से जुड़े एक सूत्र ने कहा कि आशीष नेहरा इस टीम के हेड कोच होंगे जबकि सोलंकी टीम के बल्लेबाजी कोच और क्रिकेट निदेशक होंगे साथ ही गैरी को टीम का मेंटर बनाया जाएगा। इनका इंटरव्यू फ्रेचाइजी के बड़े अधिकारियों द्वारा किया जा चुका है और इनके नाम पर मुहर लगा दी गई है।

आशीष नेहरा इससे पहले रायल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोच रह चुके हैं और गैरी भी इस टीम के लिए काम कर चुके हैं। वहीं आशीष नेहरा को उनके साथ काम करने का भी अनुभव है क्योंकि जब गैरी टीम इंडिया के कोच थे तब आशीष भारतीय टीम के लिए खेल रहे थे। आशीष नेहरा पिछले दो सीजन से आइपीएल के किसी भी टीम के साथ नहीं जुड़े हुए थे। हालांकि उन्हें कई आफर मिल रहे थे, लेकिन इस बार हेड कोच के तौर पर बड़ी जिम्मेदारी मिलने के बाद उन्होंने हां कर दी। आशीष नेहरा भारतीय टीम के बेहतरीन बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों में से एक रहे हैं।

136 पारियों के बाद पहली बार गोल्डन डक पर आउट हुए रहाणे

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के मध्यक्रम के बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा ने जोहानसबर्ग टेस्ट मैच में काफी निराश किया। पुजारा जहां 3 रन बनाकर आउट हुए तो वहीं रहाणे ने तो अपना विकेट जीरो पर गंवा दिया। रहाणे ने पहले टेस्ट मैच में अच्छी लय में नजर आए थे, लेकिन दूसरे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से सबको निराश किया। यही नहीं रहाणे अपने टेस्ट करियर में पहली बार गोल्डन डक पर आउट हुए। रहाणे ने भारत के लिए साल 2013 में अपना पहला टेस्ट मैच खेला था और तब से वो टेस्ट टीम के नियमित सदस्य बने रहे हैं। ऐसा नहीं है कि वो अपने टेस्ट करियर के दौरान शून्य पर आउट नहीं हुए हैं, लेकिन गोल्डन डक यानी पारी की पहली ही गेंद पर वो पहली बार आउट हुए। रहाणे अब तक इसे मिलाकर कुल 10 बार शून्य पर टेस्ट में अपना विकेट गंवा चुके हैं। अजिंक्य रहाणे साउथ अफ्रीका के खिलाफ वांडरर्स मैदान पर अपना 81वां टेस्ट मैच खेल रहे हैं और इन मैचों की 136 पारियों के बाद यानी 137वीं पारी में वो गोल्डन डक पर आउट हुए।

न्यूज डायरी

36 साल के बंगाल के खेल मंत्री मनोज तिवारी को रणजी टीम में मिली जगह

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। खेल के मैदान से सियासत के मैदान पर उतरने वाले बंगाल के खेल मंत्री मनोज तिवारी एक बार फिर से घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी का जलवा बिखेरते नजर आएंगे। दरअसल इस साल के रणजी ट्राफी सीजन के लिए बंगाल ने जिस टीम की घोषणा की है जिसमें मनोज तिवारी भी शामिल हैं। मनोज तिवारी ने साल 2020 में रणजी ट्राफी में सौराष्ट्र के खिलाफ बंगाल के लिए अपना आखिरी फर्स्ट क्लास मैच खेला था। उसके बाद से अब एक बार फिर से वो इस टूर्नामेंट में बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए नजर आएंगे। आपको बता दें कि मनोज तिवारी इस समय पश्चिम बंगाल के खेल मंत्री हैं और पिछले साल हुए विधानसभा चुनाव में उन्होंने शिबपुर सीट से चुनाव लड़ा था और उसमें विजयी रहे थे। इसके बाद उन्हें खेलकूद और युवा मामलों का मंत्री बनाया गया था। साल 2020 में उन्होंने बंगाल के लिए अपना आखिरी मैच खेला था, लेकिन इसके बाद कोविड और चोट के कारण वो नहीं खेल पाए थे।

चौथे टेस्ट मैच के लिए आस्ट्रेलिया व इंग्लैंड की प्लेइंग का एलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। एशेज टेस्ट सीरीज 2021–22 के चौथे मैच के लिए आस्ट्रेलिया ने अपनी प्लेइंग इलेवन का एलान कर दिया है। पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज के पहले तीन मैच जीतकर मेजबान आस्ट्रेलिया ने पहले ही खिताब पर कब्जा कर लिया है। अब इंग्लैंड के खिलाफ कंगारू टीम को चौथा टेस्ट मैच सिडनी में खेलना है जिसकी शुरुआत 5 जनवरी से होगी। चौथे टेस्ट मैच के लिए आस्ट्रेलिया ने जिस टीम का एलान किया है उसमें ट्रैविस हेड शामिल नहीं हैं और उनकी जगह उस्मान ख्वाजा को अंतिम ग्यारह में शामिल किया गया है। उस्मान ख्वाजा ओपनिंग करते हैं, लेकिन वो शायद मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए नजर आ सकते हैं क्योंकि पारी की शुरुआत डेविड वार्नर के साथ मार्कस हैरिस करेंगे। वहीं टीम में मार्नस लाबूशाने व स्टीव स्मिथ शामिल किए गए हैं जो तीसरे व चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करते नजर आएंगे वहीं ख्वाजा पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी कर सकते हैं।

पहली पारी में सिर्फ 202 रन पर क्यों आउट हो गई भारतीय टीम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों का प्रदर्शन निराश करने वाला रहा। पहली पारी में कप्तान केएल राहुल और आर अश्विन ने अच्छी बल्लेबाजी की, लेकिन टीम के अन्य बल्लेबाजों के लिए क्रीज पर टिकना तक मुश्किल हो रहा था। इसी की नतीजा रहा कि भारतीय बल्लेबाजी पूरी तरह से साउथ अफ्रीकी गेंदबाजी को सामने धराशाई हो गई और पूरी टीम महज 202 रन के स्कोर पर ही निपट गई। अब भारतीय टीम की इस खराब बल्लेबाजी को लेकर पूर्व भारतीय ओपनर बल्लेबाज संजय मांजरेकर ने अपनी प्रतिक्रिया दी। संजय मांजरेकर ने कहा कि विराट कोहली दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी कमजोर हो गई है और इसी की वजह से टीम इंडिया पहली पारी में ज्यादा बड़ा स्कोर नहीं कर पाई।

13 साल के यशवर्धन का धमाका, 4 मैच में बना डाले 1000 से ज्यादा रन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) इंदौर। भारतीय क्रिकेट हमेशा से ही बल्लेबाजों के मामले मे धनी रहा है। विश्व कप क्रिकेट को भारत ने एक से बढ़कर एक धुरंधर बल्लेबाज दिए हैं। क्रिकेट के भगवान का दर्जा हालिल कर चुके सचिन तेंदुलकर ने पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर की बल्लेबाजी विरासत को आगे बढ़ेते हुए दुनिया भर में डंका बजाया। अब मप्र के चंबल संभाग के एक 13 साल के बच्चे यशवर्धन चौहान के बल्ले से लगातार ऐसी पारियां फूट रही हैं जिसने उनको चर्चा में ला दिया है। क्रिकेट के भगवान पुकारे जाने वाले सचिन तेंदुलकर की चमक दुनिया ने करीब 33 साल पहले तब देखी थी जब उन्होंने 14 साल की उम्र में नाबाद 326 रनों की पारी खेली थी।